सरकारी ई-मार्केटप्लेस

नई दिल्ली में आयोजित **'क्रेता-विक्रेता गौरव सम्मान समारोह 2023'** कार्यक्रम के दौरान पिछले तीन वर्षों में [सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM)](#) से खरीद में हुई उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला गया।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM):

- **परिचय:**
  - **GeM** विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा **सामान्य उपयोग की आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा** प्रदान करता है।
    - यह पहल **भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय** द्वारा **अगस्त 2016** में शुरू की गई थी।
    - 26 जनवरी, 2018 को **GeM का वर्तमान संस्करण GeM 3.0 लॉन्च** किया गया था।
  - यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं को सुविधा प्रदान करने तथा पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने के लिये **ई-बोली, रिवर्स ई-नीलामी और मांग समुच्चय जैसे उपकरण** प्रदान करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक खरीद में **पारदर्शिता, दक्षता एवं गतिशीलता** को बढ़ाना है।

नोट: सार्वजनिक खरीद से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा **सरकारें तथा राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम निजी क्षेत्र से वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदते या प्राप्त करते हैं।**

सार्वजनिक खरीद [भारत की GDP](#) का 15-20% है तथा इसलिये कुशलतापूर्वक चलने वाली सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया हमारे देश की अर्थव्यवस्था के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

- **GeM सांख्यिकी:**
  - 31 मार्च, 2023 तक **GeM ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सकल व्यापारिक मूल्य** (ग्राहक-से-ग्राहक या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेची गई वस्तुओं का मूल्य) **2 लाख करोड़** रुपए दर्ज किया, जो **अपनी स्थापना के बाद से 4.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी सकल व्यापारिक मूल्य में योगदान देता है।**
  - GeM पर लेन-देन की कुल संख्या भी **1.54 करोड़ से अधिक हो गई है।**
  - अध्ययन से संकेत मिलता है कि इस प्लेटफॉर्म ने लगभग 10% की न्यूनतम बचत की है, जो **लगभग 40,000 करोड़ रुपए की सार्वजनिक धनराशि के बराबर है।**
- **महत्त्व:**
  - GeM **विक्रेता पंजीकरण, ऑर्डर प्लेसमेंट और भुगतान प्रसंस्करण में मानव इंटरफेस को समाप्त** करता है, जिससे काम में देरी और भ्रष्टाचार की समस्या काफी हद तक कम हो जाती है।
  - यह अपने प्लेटफॉर्म पर सभी लेनदेन की पूर्ण दृश्यता प्रदान करता है और साथ ही **सभी विक्रेताओं के लिये उचित तथा समान अवसर** सुनिश्चित करता है।
  - यह **कीमत की तुलना** और प्रतिस्पर्द्धी तथा **गुणवत्ता वाले उत्पादों के चयन** को सक्षम बनाता है।
  - यह अपने सभी **सूचीबद्ध उत्पादों और सेवाओं के लिये मानकों और विशिष्टताओं का अनुपालन** सुनिश्चित करता है और एक **उपयोगकर्त्ता अनुकूल ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली भी** प्रदान करता है।
  - यह **स्टार्टअप, MSME, महिला उद्यमियों और कारीगरों को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करके नवाचार** को बढ़ावा देता है।
- **GeM से संबंधित प्रमुख विकास:**
  - **GeM आउटलेट स्टोर:** GeM ने विभिन्न श्रेणियों जैसे- **SARAS, आजीविका, ट्राइब्स इंडिया, स्टार्टअप रनवे, खादी इंडिया, इंडिया हैंडलूम, इंडिया हैंडीक्राफ्ट, दिव्यांगजन आदि के लिये आउटलेट स्टोर** प्रारंभ किये हैं।
  - **GeM-CII समझौता ज्ञापन:** GeM ने **GeM-CII उत्कृष्टता केंद्र (CoE)** स्थापित करने के लिये [भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)](#) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं, जो GeM को प्रशिक्षण, अनुसंधान में भी सहायता प्रदान करेगा।
  - **GeM, CSC** और **भारतीय डाक (India Post)**: भारत की डाक प्रणाली इंडिया पोस्ट और [कॉमन सर्विस सेंटर](#) (CSC) का GeM के साथ एकीकरण का कार्य पूरे देश में किया जा रहा है।
    - इसकी सहायता से भारतीय डाक **देश के सबसे दूरदराज़ के क्षेत्रों में GeM के माध्यम से विक्रेताओं और खरीदारों को लॉजिस्टिक्स सेवाएँ प्रदान** कर सकता है।

- **बंबू मार्केट विडो:** [राष्ट्रीय बाँस मिशन](#) और GeM ने बाँस से बने सामान के विपणन के लिये GeM पोर्टल पर एक समर्पित विडो बनाई है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/government-e-marketplace-4